

RAAM LEELA · VALMIKI'S RAMAYANA

राम लीला · वाल्मीकि रामायण

ग्रंथ

The Book

शब्द वही, लीला नई

Shabd wahee, Leela nayee

..❧ Translation: Raam Leela ❧..

Every Leela that is ready to watch, with the verses it comes from: Valmiki's
Sanskrit, a poetic English translation, the Hindi as it is spoken, and the English
subtitle. The book grows as new Leelas open.

हर तैयार लीला, अपने श्लोकों के साथ: वाल्मीकि का संस्कृत, अंग्रेज़ी में काव्य-अनुवाद, बोली गई हिन्दी,
और अंग्रेज़ी उपशीर्षक।

7 kandas · 26 stories · 714 verses

CONTENTS · अनुक्रम

अयोध्याकाण्ड · Ayodhya Kanda

दो वर; राजकुमार की स्वीकृति prince accepts	Two boons; the 2.10.9–2.19.38	भाई आता है, समाचार लेकर with the news	A brother arrives 2.94.1–2.113.1
---	----------------------------------	--	-------------------------------------

२
अयोध्याकाण्ड
Ayodhya Kanda
2 STORIES

AYODHYA KANDA · अयोध्याकाण्ड

Two boons; the prince accepts

दो वर; राजकुमार की स्वीकृति

—❖ Valmiki · Ayodhya Kanda ❖—

2.10.9–2.19.38 (CrEd 2.10.1–2.16.59)

राम के अभिषेक से पहले की रात दशरथ कैकेयी को कोपभवन में पाते हैं, और शपथ लेते हैं कि वे जो चाहेंगी, देंगे। कैकेयी अपने पुराने दो वर माँगती हैं: भरत का अभिषेक, और राम का चौदह वर्ष के लिए दण्डकवन जाना; राजा रात भर गिड़गिड़ाते हैं, पर व्यर्थ। सुबह राम यह बात कैकेयी से सुनते हैं, और केवल उनके कहने से तुरंत मान लेते हैं।

On the eve of Rama's consecration, Dasharatha finds Kaikeyi in the chamber of anger and swears to grant whatever she wants. She claims her two old boons: Bharata crowned, and Rama sent to the Dandaka forest for fourteen years; the king pleads all night in vain. In the morning Rama hears it from Kaikeyi and accepts at once, at her word alone.

१



PART 1 · भाग 1

The chamber of anger

Valmiki 2.10.9–2.13.20 (CrEd 2.10.1–2.11.15)

VALMIKI

THE LEELA

॥ 2.10.22–27 ॥
CrEd 2.10.2–5

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.10.28 ॥
CrEd 2.10.6

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि न तेऽहम् अभिजानामि क्रोधम् आत्मनि संश्रितम् ।
देवि केनाभियुक्तासि केन वासि विमानिता ॥

TRANSLATION *I do not understand this anger
that has taken hold of you.
Lady, who has wronged you?
Or who has shown you disrespect?*

लीला देवी, तुम्हारे भीतर यह क्रोध क्यों भरा है, मैं नहीं
समझ पा रहा। किसने तुम्हें सताया है? किसने
तुम्हारा अपमान किया है?

SUBTITLE I do not know this anger
you hold within you.
My queen, who has wronged you?
Who has slighted you?

प्रचलित पाठ में “केनाभिषप्तासि” (किसने तुम्हें शाप दिया) है; यहाँ दी गई संस्कृत CrEd के अनुसार “केनाभियुक्तासि” (किसने तुम पर वार किया) है (2.10.6)।

The popular text reads kenābhiśaptāsi, “who has cursed you”; the Sanskrit shown follows the CrEd, kenābhiyuktāsi, “who has wronged you” (2.10.6).

॥ 2.10.34–35a ॥
CrEd 2.10.11–12a

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि अहं चैव मदीयाश् च सर्वे तव वशानुगाः ।
न ते कं चिद् अभिप्रायं व्याहन्तुम् अहम् उत्सहे ।
आत्मनो जीवितेनापि ब्रूहि यन् मनसेच्छसि ॥

TRANSLATION *I myself and all who are mine
are subject to your will;
I cannot bring myself to thwart
any wish of yours,
not even at the cost of my own life:
tell me what your heart desires.*

लीला मैं और मेरे सब लोग तुम्हारे वश में हैं, तुम्हारी कोई
इच्छा मैं टाल नहीं सकता। प्राण देकर भी पूरी
करूँगा। बोलो, मन में क्या चाहती हो?

SUBTITLE I and all who are mine obey you;
no wish of yours will I refuse.
Tell me your heart's desire,
though it cost my life.

॥ 2.10.36b ॥
CrEd 2.10.12b

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि यावद् आवर्तते चक्रं तावती मे वसुंधरा ॥

TRANSLATION *As far as my wheel rolls on,
so far the earth is mine.*

लीला जहाँ तक मेरा चक्र घूमता है, वहाँ तक की सारी
पृथ्वी मेरी है।

SUBTITLE As far as the wheel of my rule turns,
so far the earth is mine.

॥ 2.11.2 ॥
CrEd 2.10.14

कैकेयी KAIKEYI

वाल्मीकि नास्मि विप्रकृता देव केन चिन् न विमानिता ।
अभिप्रायस् तु मे कश् चित् तम् इच्छामि त्वया कृतम् ॥

TRANSLATION *My lord, no one has wronged me,
no one has shown me disrespect;
but I have a certain wish,
and I want you to fulfil it.*

लीला देव, न किसी ने मुझे सताया है, न मेरा अपमान
किया है। पर मेरी एक इच्छा है, और मैं चाहती हूँ
कि आप उसे पूरी करें।

SUBTITLE No one has wronged me, my lord,
no one has slighted me.
But there is something I want,
and I want you to do it.

॥ 2.11.3 ॥
CrEd 2.10.15

कैकेयी KAIKEYI

वाल्मीकि प्रतिज्ञां प्रतिजानीष्व यदि त्वं कर्तुम् इच्छसि ।
अथ तद् व्याहरिष्यामि यद् अभिप्रार्थितं मया ॥

TRANSLATION *Make me a promise first,
if you mean to fulfil it;
then I will declare
what it is I ask.*

लीला यदि आप उसे पूरा करना चाहते हैं, तो पहले
प्रतिज्ञा कीजिए। तब मैं बताऊँगी कि मैं क्या
माँगती हूँ।

SUBTITLE Swear to it first,
if you mean to do it.
Then I will tell you
what I ask.

॥ 2.11.4 ॥
CrEd 2.10.16

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.11.5 ॥
CrEd 2.10.17

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि अवलिप्ते न जानासि त्वत्तः प्रियतरो मम ।
मनुजो मनुजव्याघ्राद् रामाद् अन्यो न विद्यते ॥

TRANSLATION *Proud one, do you not know?
No one is dearer to me than you,
no man at all, but Rama,
that tiger among men.*

लीला अभिमानिनी, क्या तुम नहीं जानतीं? नरश्रेष्ठ राम
को छोड़, तुमसे बढ़कर मुझे कोई प्रिय नहीं।

SUBTITLE Proud one, do you not know?
Save Rama, tiger among men,
no one is dearer to me
than you.

प्रचलित पाठ में इसके बाद वे राम की शपथ लेते हैं (2.11.6–8); CrEd में यह नहीं है।

The popular text then has him swear by Rama (2.11.6–8); the CrEd does not.

॥ 2.11.10 ॥
CrEd 2.10.19

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि बलम् आत्मनि पश्यन्ती न मां शङ्कितुम् अर्हसि ।
करिष्यामि तव प्रीतिं सुकृतेनापि ते शपे ॥

TRANSLATION *Seeing your power over me,
you should not doubt me.
I will do what pleases you;
I swear it by my good deeds.*

लीला तुम मुझ पर अपना बल जानती हो, मुझ पर संदेह
मत करो। जो तुम्हें प्रिय है, वही करूँगा। अपने सारे
पुण्यों की शपथ खाता हूँ।

SUBTITLE You know your power over me;
do not doubt me.
I will do what pleases you.
I swear it by my good deeds.

कैकेयी KAIKEYI

वाल्मीकि यथाक्रमेण शपसि वरं मम ददासि च ।
तच् छृण्वन्तु त्रयस्त्रिंशद् देवाः सेन्द्रपुरोगमाः ।
चन्द्रादित्यौ नभश् चैव ग्रहा रात्र्यहनी दिशः ॥

TRANSLATION *As you swear, oath upon oath,
and grant me a boon,
let the thirty-three gods hear it,
with Indra at their head;
the moon and the sun, the sky,
the planets, night and day, the quarters.*

लीला आप शपथ लेकर मुझे वर दे रहे हैं, इन्द्र सहित
तैंतीस देवता यह सुनें, सूर्य और चन्द्र, आकाश,
ग्रह, रात और दिन भी।

SUBTITLE You swear, and grant my boon.
Let the thirty-three gods hear it, Indra first;
sun and moon, sky and planets,
night and day.

प्रचलित पाठ में “साग्निपुरोगमाः” (अग्नि के नेतृत्व में) है; यहाँ दी गई संस्कृत CrEd के अनुसार “सेन्द्रपुरोगमाः” (इन्द्र के नेतृत्व में) है (2.10.21)।

The popular text reads sāgnipurogamāḥ, “led by Agni”; the Sanskrit shown follows the CrEd, sendrapurogamāḥ, “led by Indra” (2.10.21).

॥ 2.11.16 ॥
CrEd 2.10.24

कैकेयी KAIKEYI

वाल्मीकि सत्यसंधो महातेजा धर्मज्ञः सुसमाहितः ।
वरं मम ददात्य् एष तन् मे शृण्वन्तु देवताः ॥

TRANSLATION *True to his word, of great splendour,
knowing dharma, wholly intent,
he grants me a boon:
let the deities hear me.*

लीला सत्यप्रतिज्ञ, महातेजस्वी, धर्मज्ञ ये महाराज मुझे वर
दे रहे हैं। देवता इसे सुनें।

SUBTITLE This great king, true to his word,
who knows dharma,
grants me a boon.
Let the gods hear it.

॥ 2.11.23b ॥
CrEd 2.10.26

कैकेयी KAIKEYI

वाल्मीकि वरौ यौ मे त्वया देव तदा दत्तौ महीपते ।
तौ तावद् अहम् अद्यैव वक्ष्यामि शृणु मे वचः ॥

TRANSLATION *The two boons you gave me then,
my lord, lord of the earth,
those I will claim this very day:
hear what I say.*

लीला देव, महाराज, बहुत पहले आपने मुझे जो दो
वर दिए थे, उन्हें मैं आज ही माँगती हूँ। मेरी
बात सुनिए।

SUBTITLE The two boons you gave me
long ago, my lord:
I name them now.
Hear me.

प्रचलित पाठ में पहले वे राजा को देवासुर-संग्राम की याद दिलाती हैं (2.11.18–21); CrEd में यहाँ यह नहीं है।

The popular text first has her remind him of the war of the gods and the asuras (2.11.18–21);
the CrEd does not, here.

॥ 2.11.24 ॥
CrEd 2.10.27

कैकेयी KAIKEYI

वाल्मीकि अभिषेकसमारम्भो राघवस्योपकल्पितः ।
अनेनैवाभिषेकेण भरतो मेऽभिषिच्यताम् ॥

TRANSLATION *The consecration made ready
for Raghava:
with this very consecration
let my Bharata be consecrated.*

लीला राघव के अभिषेक की जो तैयारी हुई है, उसी
अभिषेक से मेरे भरत का अभिषेक किया जाए।

SUBTITLE The consecration made ready for Rama:
with that same consecration
let my Bharata be crowned.

॥ 2.11.26 ॥
CrEd 2.10.28

कैकेयी KAIKEYI

वाल्मीकि नव पञ्च च वर्षाणि दण्डकारण्यम् आश्रितः ।
चीराजिनजटाधारी रामो भवतु तापसः ॥

TRANSLATION *For nine years and five
let Rama dwell in the Dandaka forest;
wearing bark, deerskin and matted hair,
let him live as an ascetic.*

लीला नौ और पाँच वर्ष, राम दण्डकारण्य में रहें, चीर,
मृगचर्म और जटा धारण किए तपस्वी बनकर।

SUBTITLE For nine years and five,
let Rama live in the Dandaka forest,
an ascetic
in bark, deerskin and matted hair.

॥ 2.11.27-28 ॥
CrEd 2.10.29

कैकेयी KAIKEYI

वाल्मीकि भरतो भजताम् अद्य यौवराज्यम् अकण्टकम् ।
अद्य चैव हि पश्येयं प्रयान्तं राघवं वने ॥

TRANSLATION *Let Bharata take today
the rank of heir, with no thorn in his way;
and this very day let me see
Raghava go off to the forest.*

लीला आज ही भरत निष्कण्टक युवराज-पद पाएँ। और
आज ही मैं राघव को वन जाते देखूँ।

SUBTITLE Let Bharata be made prince today,
with no rival in his way.
And today let me see Rama
leave for the forest.

॥ 2.12.4-5a ॥
CrEd 2.10.30-31

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.12.5b ॥
CrEd 2.10.31

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि अहो धिग् इति सामर्षो वाचम् उक्त्वा नराधिपः ।
मोहम् आपेदिवान् भूयः ॥

TRANSLATION *“Ah! Shame!” the lord of men
cried out in fury,
and fainted once again.*

लीला हा! धिक्कार!

SUBTITLE Ah! Shame!

॥ 2.12.6-7a ॥
CrEd 2.10.32

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.12.7b-8a ॥
CrEd 2.10.33

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि नृशंसे दुष्टचारित्रे कुलस्यास्य विनाशिनि ।
किं कृतं तव रामेण पापे पापं मयापि वा ॥

TRANSLATION *Cruel woman, wicked in your ways,
destroyer of this house,
what has Rama done to you, evil one,
or what evil have I done?*

लीला क्रूर! दुराचारिणी! इस कुल का नाश करने वाली!
पापिन, राम ने तेरा क्या अहित किया है? या मैंने?

SUBTITLE Cruel, wicked woman,
destroyer of this house!
What wrong has Rama done you, evil one?
Or I?

॥ 2.12.8b-9a ॥
CrEd 2.10.34

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि सदा ते जननी तुल्यां वृत्तिं वहति राघवः ।
तस्यैव त्वम् अनर्थाय किंनिमित्तम् इहोद्यता ॥

TRANSLATION *Raghava always bears himself to you
just as to his own mother;
why then are you set
on his ruin, of all men?*

लीला राघव ने तुझसे सदा माता जैसा व्यवहार किया है।
फिर तू उसी के अनर्थ पर क्यों उद्यत है?

SUBTITLE Rama has always treated you
as his own mother.
Why then are you bent
on his ruin?

॥ 2.12.11b-12a ॥
CrEd 2.10.37

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि कौसल्यां वा सुमित्रां वा त्यजेयम् अपि वा श्रियम् ।
जीवितं वात्मनो रामं न त्व एव पितृवत्सलम् ॥

TRANSLATION *Kausalya or Sumitra I might give up,
or my royal fortune,
or my own life; but Rama,
who loves his father, never.*

लीला मैं कौसल्या को छोड़ सकता हूँ, या सुमित्रा को, या
राजलक्ष्मी को, या अपने प्राण भी, पर पिता से प्रेम
करने वाले राम को कभी नहीं।

SUBTITLE Kausalya, Sumitra, my royal fortune,
even my own life, I could give up;
but never Rama,
who loves his father.

॥ 2.12.13b-14a ॥
CrEd 2.10.39

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि तिष्ठेल् लोको विना सूर्यं सस्यं वा सलिलं विना ।
न तु रामं विना देहे तिष्ठेत् तु मम जीवितम् ॥

TRANSLATION *The world might stand without the sun,
or the crops without water,
but without Rama the life
would not stay in my body.*

लीला सूर्य के बिना संसार टिक जाए, जल के बिना खेती
टिक जाए, पर राम के बिना मेरे प्राण इस देह में
नहीं टिकेंगे।

SUBTITLE The world might live without the sun,
the crops without water.
But without Rama,
my life will not stay in my body.

॥ 2.12.14b–15a ॥
CrEd 2.10.40

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि तद् अलं त्यज्यताम् एष निश्चयः पापनिश्चये ।
अपि ते चरणौ मूर्ध्ना स्पृशाम्य् एष प्रसीद मे ॥

TRANSLATION *Enough: let this resolve be given up,
you who are resolved on evil.
See, I touch your feet with my head:
be gracious to me.*

लीला बस करो। पाप का निश्चय करने वाली, यह निश्चय
छोड़ दो। देखो, मैं अपने सिर से तुम्हारे चरण छूता
हूँ। मुझ पर दया करो।

SUBTITLE Enough. Give up this resolve,
you who are resolved on evil.
See, I touch your feet with my head.
Have mercy on me.

॥ 2.12.15b–16 ॥
CrEd 2.10.41

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.13.3 ॥
CrEd 2.11.3

कैकेयी KAIKEYI

वाल्मीकि त्वं कथ्यसे महाराज सत्यवादी दृढव्रतः ।
मम चेमं वरं कस्माद् विधारयितुम् इच्छसि ॥

TRANSLATION *You boast, great king,
that you speak the truth, firm in your vows;
then why would you hold back
this boon of mine?*

लीला महाराज, आप तो स्वयं को सत्यवादी और दृढ़व्रती
कहते नहीं थकते। फिर मेरा यह वर क्यों रोकना
चाहते हैं?

SUBTITLE Great king, you boast
that you speak the truth
and keep your vows.
Why then hold back my boon?

॥ 2.13.14–15 ॥
CrEd 2.11.7–8

SILENT MOMENT मौन क्षण

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि न प्रभातं त्वयेच्छामि मयायं रचितोऽञ्जलिः ।
अथ वा गम्यतां शीघ्रं नाहम् इच्छामि निर्घृणाम् ।
नृशंसां कैकेयीं द्रष्टुं यत्कृते व्यसनं महत् ॥

TRANSLATION *I want no dawn from you;
see, I have joined my palms to you.
Or else, pass quickly: I do not want
to see the pitiless,
cruel Kaikeyi, for whose sake
this great disaster has come.*

लीला हे रात्रि, मैं तेरा प्रभात नहीं चाहता। देख, मैं हाथ
जोड़ता हूँ। या शीघ्र बीत जा, इस निर्दय कैकेयी
को, जिसके कारण यह महाविपत्ति आई, मैं देखना
नहीं चाहता।

SUBTITLE Night, I want no dawn from you;
see, I join my palms.
Or pass quickly. I cannot bear to see
cruel Kaikeyi, cause of this ruin.

प्रचलित पाठ में वे रात्रि को तारों से सजी कहकर उससे दया भी माँगते हैं; CrEd में यही एक श्लोक है (2.11.10)।

The popular text also has him address the night as adorned with stars and beg her pity; the CrEd gives this one verse (2.11.10).

॥ 2.13.20 ॥
CrEd 2.11.12

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि साधुवृत्तस्य दीनस्य त्वद्गतस्य गतायुषः ।
प्रसादः क्रियतां देवि भद्रे राज्ञो विशेषतः ॥

TRANSLATION *Lady, gentle one, be gracious
to one who has lived rightly, who is wretched,
who turns to you, whose life is spent,
and to the king above all.*

लीला देवी, कल्याणी, मुझ पर कृपा करो, मैंने सदा
सदाचार निभाया, मैं दीन हूँ, तुम्हारे आश्रित हूँ, मेरी
आयु बीत चली, और फिर मैं राजा हूँ।

SUBTITLE Be gracious, my queen,
to one who has lived rightly:
wretched, clinging to you, his life spent,
and a king besides.

॥ 2.13.22-23 ॥
CrEd 2.11.14-15

SILENT MOMENT मौन क्षण



At your word alone

Valmiki 2.14.1–63, 2.18.1–2.19.38 (CrEd 2.12.1–23, 2.16.1–59)

VALMIKI

THE LEELA

॥ 2.14.1–13 ॥
CrEd 2.12.1–10

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.14.14 ॥
CrEd 2.12.11

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि यस् ते मन्त्रकृतः पाणिर् अग्नौ पापे मया धृतः ।
तं त्यजामि स्वजं चैव तव पुत्रं सह त्वया ॥

TRANSLATION *The hand of yours I took, evil one,
before the fire with sacred verses,
I give it up; and with you,
your son, my own son too.*

लीला पापिन, अग्नि के सामने मंत्रों के साथ मैंने तेरा जो
हाथ थामा था, उसे मैं त्यागता हूँ। और तेरे साथ तेरे
पुत्र को भी, जो मेरा ही है।

SUBTITLE Wicked one, the hand I took
before the fire, with sacred verses,
I renounce;
and your son, my own, with you.

॥ 2.14.21 ॥
CrEd 2.12.13

कैकेयी KAIKEYI

वाल्मीकि किम् इदं भाषसे राजन् वाक्यं गररुजोपमम् ।
आनाययितुम् अक्लिष्टं पुत्रं रामम् इहार्हसि ॥

TRANSLATION *King, what are these words you speak,
like the pain of poison?
You should have your son Rama
brought here without delay.*

लीला राजन्, यह विष-सा वचन क्यों बोल रहे हैं? अपने
पुत्र राम को तुरंत यहाँ बुलवाइए।

SUBTITLE King, what are these words,
painful as poison?
Send for your son Rama,
here, now.

॥ 2.14.24 ॥
CrEd 2.12.16

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि धर्मबन्धेन बद्धोऽस्मि नष्टा च मम चेतना ।
ज्येष्ठं पुत्रं प्रियं रामं द्रष्टुम् इच्छामि धार्मिकम् ॥

TRANSLATION *I am bound by the bond of dharma,
and my mind is lost.
I wish to see Rama, my eldest son,
my dear and righteous son.*

लीला मैं धर्म के बंधन में बँधा हूँ, और मेरी चेतना नष्ट हो
गई है। मैं अपने ज्येष्ठ, प्रिय, धर्मात्मा पुत्र राम को
देखना चाहता हूँ।

SUBTITLE I am bound by the bond of dharma,
and my mind is gone.
I want to see Rama,
my eldest, dear and righteous son.

॥ 2.14.60-61 ॥
CrEd 2.12.19-20

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.14.62–63 ॥
CrEd 2.12.21

कैकेयी KAIKEYI

वाल्मीकि सुमन्त्र रामं द्रक्ष्यामि शीघ्रम् आनय सुन्दरम् ॥

TRANSLATION *Sumantra, I will see Rama;
bring the handsome one quickly.*

लीला सुमन्त्र, मैं राम को देखना चाहती हूँ। उस सुन्दर
राजकुमार को शीघ्र यहाँ ले आओ।

SUBTITLE Sumantra, I would see Rama.
Bring the handsome prince
here, quickly.

प्रचलित पाठ में उनकी आज्ञा लंबी है, एक बहाने के साथ: राजा खुशी में रात भर जागे और अब सो रहे हैं (2.14.62)। CrEd में यही एक पंक्ति है (2.12.21ab)।

In the popular text her order is longer, with an excuse: the king stayed awake for joy and is asleep (2.14.62). The CrEd gives the one line (2.12.21ab).

॥ 2.14.64–66 ॥
CrEd 2.12.22–23

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.18.1–2 ॥
CrEd 2.16.1–2

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.18.3 ॥
CrEd 2.16.3

दशरथ DASHARATHA

वाल्मीकि रामेत् उत्त्वा च वचनं बाष्पपर्याकुलेक्षणः ।
शशाक नृपतिर् दीनो नेक्षितुं नाभिभाषितुम् ॥

TRANSLATION *Saying the one word, “Rama!”,
his eyes flooded with tears,
the wretched king could not
look at him, nor speak to him.*

लीला राम!

SUBTITLE Rama!

॥ 2.18.4 ॥
CrEd 2.16.4

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.18.11 ॥
CrEd 2.16.11

राम RAMA

वाल्मीकि कच्चिन् मया नापराद्धम् अज्ञानाद् येन मे पिता ।
कुपितस् तन् ममाचक्ष्व त्वं चैवैनं प्रसादय ॥

TRANSLATION *Have I done some wrong unknowing,
for which my father
is angry? Tell me that,
and win him over yourself.*

लीला कहीं अनजाने में मुझसे कोई अपराध तो नहीं हुआ,
जिससे पिताजी रुष्ट हैं? मुझे बताइए, और आप ही
उन्हें मना दीजिए।

SUBTITLE Have I wronged my father
without knowing, that he is angry?
Tell me,
and win him back to me yourself.

राम R A M A

वाल्मीकि अहं हि वचनाद् राज्ञः पतेयम् अपि पावके ।
भक्षयेयं विषं तीक्ष्णं मज्जेयम् अपि चार्णवे ।
नियुक्तो गुरुणा पित्रा नृपेण च हितेन च ॥

TRANSLATION *At the king's word I would fall
even into fire,
I would eat sharp poison,
I would even sink in the sea,
when bidden by my guru, my father,
my king and my well-wisher.*

लीला राजा के कहने पर मैं अग्नि में कूद पड़ूँ, तीखा विष
खा लूँ, समुद्र में डूब जाऊँ, यदि मेरे गुरु, पिता,
राजा और हितैषी मुझे आज्ञा दें।

SUBTITLE At the king's word I would fall into fire,
swallow sharp poison,
sink into the sea,
if my father, my teacher and king,
commanded it.

प्रचलित पाठ इस बात से शुरू होता है: “हाय देवी, आपको मुझसे ऐसा नहीं कहना चाहिए” (2.18.28); CrEd में यह नहीं है।

The popular text opens with “Alas, lady, you should not say such things to me” (2.18.28); the CrEd does not.

॥ 2.18.30 ॥
CrEd 2.16.19

राम R A M A

वाल्मीकि तद् ब्रूहि वचनं देवि राज्ञो यद् अभिकाङ्क्षितम् ।
करिष्ये प्रतिजाने च रामो द्विर् नाभिभाषते ॥

TRANSLATION *So tell me, lady, the word
the king desires.
I will do it, I promise:
Rama does not speak twice.*

लीला इसलिए देवी, बताइए, राजा क्या चाहते हैं। मैं
वही करूँगा, यह प्रतिज्ञा करता हूँ। राम दो बार
नहीं बोलता।

SUBTITLE So tell me, lady,
what the king wants.
I will do it; I promise.
Rama does not say a thing twice.

॥ 2.18.32 ॥
CrEd 2.16.21

कैकेयी K A I K E Y I

वाल्मीकि पुरा देवासुरे युद्धे पित्रा ते मम राघव ।
रक्षितेन वरौ दत्तौ सशल्येन महारणे ॥

TRANSLATION *Long ago, in the war of gods and asuras,
Raghava, your father gave me two boons,
when I had protected him,
pierced with arrows in the great battle.*

लीला राघव, बहुत पहले देवासुर-संग्राम में, जब तुम्हारे
पिता बाणों से घायल थे, मैंने उनकी रक्षा की थी।
तब उन्होंने मुझे दो वर दिए।

SUBTITLE Long ago, Raghava,
in the war of gods and asuras,
your father lay wounded with arrows.
I saved him, and he gave me two boons.

॥ 2.18.33 ॥
CrEd 2.16.22

कैकेयी KAIKEYI

वाल्मीकि तत्र मे याचितो राजा भरतस्याभिषेचनम् ।
गमनं दण्डकारण्ये तव चाद्यैव राघव ॥

TRANSLATION *By these I have asked the king
for Bharata's consecration,
and for your going to the Dandaka forest,
Raghava, this very day.*

लीला उन्हीं वरों से मैंने राजा से भरत का अभिषेक माँगा
है, और राघव, आज ही तुम्हारा दण्डकारण्य जाना ।

SUBTITLE With them I have asked the king
for Bharata's consecration,
and for your going to the Dandaka forest,
today, Raghava.

कैकेयी KAIKEYI

वाल्मीकि यदि सत्यप्रतिज्ञं त्वं पितरं कर्तुम् इच्छसि ।
आत्मानं च नरश्रेष्ठ मम वाक्यम् इदं शृणु ।
स निदेशे पितुस् तिष्ठ यथा तेन प्रतिश्रुतम् ।
त्वयारण्यं प्रवेष्टव्यं नव वर्षाणि पञ्च च ॥

TRANSLATION *If you wish to make your father
true to his promise,
and yourself, best of men,
hear these words of mine.
Abide by your father's command,
as he has promised:
you must go into the forest
for nine years and five.*

लीला नरश्रेष्ठ, यदि तुम अपने पिता को, और स्वयं को,
सत्यप्रतिज्ञ रखना चाहते हो, तो पिता की आज्ञा में
रहो, नौ और पाँच वर्ष के लिए वन में जाओ।

SUBTITLE If you would keep your father true to
his word,
and yourself,
stand by his command:
go to the forest for nine years and five.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (2.16.23–24) में है; दृश्य की पंक्ति “मेरी यह बात सुनो” और “जैसा उन्होंने वचन दिया है” छोड़ देती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (2.16.23–24); the scene's line leaves out “hear what I say” and “as he has promised”.

॥ 2.18.37-38 ॥
CrEd 2.16.25-26

कैकेयी KAIKEYI

वाल्मीकि अभिषेकम् इमं त्यक्त्वा जटाचीरधरो वस ।
भरतः कोसलपुरे प्रशास्तु वसुधाम् इमाम् ॥

TRANSLATION *Give up this consecration,
and live wearing matted hair and bark;
let Bharata, in the city of Kosala,
rule over this earth.*

लीला यह अभिषेक छोड़कर जटा और चीर धारण करके
वन में रहो। भरत कोसलपुर से इस पृथ्वी पर
शासन करें।

SUBTITLE Give up this consecration.
Live in matted hair and bark.
Let Bharata rule this earth
from the city of Kosala.

॥ 2.19.1 ॥
CrEd 2.16.27

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.19.2 ॥
CrEd 2.16.28

राम R A M A

वाल्मीकि एवम् अस्तु गमिष्यामि वनं वस्तुम् अहं त्व् अतः ।
जटाचीरधरो राज्ञः प्रतिज्ञाम् अनुपालयन् ॥

TRANSLATION *So be it: I will go
from here to live in the forest,
wearing matted hair and bark,
keeping the king's promise.*

लीला ऐसा ही हो। राजा की प्रतिज्ञा का पालन करते
हुए, जटा और चीर धारण करके, मैं यहाँ से वन में
रहने जाऊँगा।

SUBTITLE So be it.
I will go from here to live in the forest,
in matted hair and bark,
keeping the king's promise.

॥ 2.19.3 ॥
CrEd 2.16.29

राम R A M A

वाल्मीकि इदं तु ज्ञातुम् इच्छामि किमर्थं मां महीपतिः ।
नाभिनन्दति दुर्धर्षो यथापुरम् अरिंदमः ॥

TRANSLATION *But this I wish to know: why
the lord of the earth,
unassailable, tamer of foes,
does not greet me with joy as before.*

लीला पर मैं यह जानना चाहता हूँ कि महाराज पहले की
तरह मेरा अभिनन्दन क्यों नहीं करते।

SUBTITLE But this I want to know:
why does the king
not greet me
as he always did?

॥ 2.19.7 ॥
CrEd 2.16.33

राम R A M A

वाल्मीकि अहं हि सीतां राज्यं च प्राणान् इष्टान् धनानि च ।
हृष्टो भ्रात्रे स्वयं दद्यां भरतायाप्रचोदितः ॥

TRANSLATION *Sita, the kingdom, my life,
all I hold dear, my wealth:
I would gladly give them myself, unasked,
to my brother Bharata.*

लीला सीता, राज्य, प्राण, सब प्रिय वस्तुएँ और धन, ये
सब मैं स्वयं, बिना कहे, प्रसन्न होकर अपने भाई
भरत को दे दूँ।

SUBTITLE Sita, the kingdom, my life,
all I love, my wealth:
I would give them gladly to my
brother Bharata,
myself, unasked.

॥ 2.19.14, 16 ॥

CrEd 2.16.40, 42

condensed
from 2.19.14, 16

कैकेयी KAIKEYI

वाल्मीकि तव त्व् अहं क्षमं मन्ये नोत्सुकस्य विलम्बनम् ।
राम तस्माद् इतः शीघ्रं वनं त्वं गन्तुम् अर्हसि ।
यावत् त्वं न वनं यातः पुराद् अस्माद् अभित्वरन् ।
पिता तावन् न ते राम स्नास्यते भोक्ष्यतेऽपि वा ॥

TRANSLATION *I do not think delay is fitting
for you, eager as you are;
so, Rama, you should go
quickly from here to the forest.
Until you have gone to the forest,
hurrying from this city,
your father, Rama, will not bathe,
nor will he eat.*

लीला राम, विलम्ब उचित नहीं। शीघ्र यहाँ से वन को
जाओ। जब तक तुम इस नगर से चले नहीं जाते,
तुम्हारे पिता न स्नान करेंगे, न भोजन।

SUBTITLE Do not delay, Rama.
Go to the forest quickly.
Until you have left this city,
your father will neither bathe nor eat.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (2.16.40 और 42) में है; दृश्य की पंक्ति दोनों श्लोकों को जोड़ती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (2.16.40 and 42); the scene's line joins the two verses.

॥ 2.19.17-18 ॥

CrEd 2.16.43-44

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.19.20 ॥
CrEd 2.16.46

राम R A M A

वाल्मीकि नाहम् अर्थपरो देवि लोकम् आवस्तुम् उत्सहे ।
विद्धि माम् ऋषिभिस् तुल्यं केवलं धर्मम् आस्थितम् ॥

TRANSLATION *Lady, I do not care to live in the world
as one devoted to gain;
know me to be like the sages,
standing on dharma alone.*

लीला देवी, मैं धन का लोभी बनकर संसार में नहीं रहना
चाहता। मुझे ऋषियों के समान, केवल धर्म में
स्थित जानिए।

SUBTITLE Lady, I do not wish
to live in the world for wealth.
Know me as one with the sages,
holding to dharma alone.

॥ 2.19.23 ॥
CrEd 2.16.49

राम R A M A

वाल्मीकि अनुक्तोऽप्य् अत्रभवता भवत्या वचनाद् अहम् ।
वने वत्स्यामि विजने वर्षाणीह चतुर्दश ॥

TRANSLATION *Even unbidden by my honoured father,
at your word alone
I will live in the empty forest
here for fourteen years.*

लीला पिताजी के कहे बिना भी, केवल आपके कहने से, मैं
चौदह वर्ष निर्जन वन में रहूँगा।

SUBTITLE Even unbidden by my father,
at your word alone,
I will live fourteen years
in the lonely forest.

॥ 2.19.24 ॥
CrEd 2.16.50

राम R A M A

वाल्मीकि न नूनं मयि कैकेयि किं चिद् आशंससे गुणम् ।
यद् राजानम् अवोचस् त्वं ममेश्वरतरा सती ॥

TRANSLATION *Surely, Kaikeyi, you see
no virtue in me at all,
since you spoke to the king,
when you have more right over me than he.*

लीला कैकेयी, निश्चय ही आप मुझमें कोई गुण नहीं
देखतीं, तभी तो आपने राजा से कहा, जबकि मुझ
पर आपका अधिकार उनसे भी बढ़कर है।

SUBTITLE Surely, Kaikeyi, you see
no good in me at all,
since you went to the king:
you, who have more power over me
than he.

॥ 2.19.25 ॥
CrEd 2.16.51

राम R A M A

वाल्मीकि यावन् मातरम् आपृच्छे सीतां चानुनयाम्य् अहम् ।
ततोऽद्यैव गमिष्यामि दण्डकानां महद् वनम् ॥

TRANSLATION *Only let me take leave of my mother
and comfort Sita;
then this very day I will go
to the great forest of the Dandakas.*

लीला बस माता से विदा ले लूँ, और सीता को समझा
लूँ। फिर आज ही मैं दण्डकों के महावन को
चला जाऊँगा।

SUBTITLE Let me only take leave of my mother,
and comfort Sita.
Then, today, I will go
to the great Dandaka forest.

॥ 2.19.27 ॥
CrEd 2.16.53

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.19.28–29 ॥
CrEd 2.16.54–55

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.19.30 ॥
CrEd 2.16.56

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.19.37-38 ॥
CrEd 2.16.57-59

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.19.27 ॥
CrEd 2.16.53

SILENT MOMENT मौन क्षण

AYODHYA KANDA · अयोध्याकाण्ड

A brother arrives with the news

भाई आता है, समाचार लेकर

—❖ Valmiki · Ayodhya Kanda ❖—

2.94.1–2.113.1 (CrEd 2.88.1–2.105.1)

चित्रकूट पर एक सेना की धूल उठती है, और अयोध्या की ध्वजा देखकर लक्ष्मण भरत को शत्रु मान बैठते हैं; राम उन्हें शांत करते हैं। भरत पैदल आते हैं, राम के चरणों में गिरते हैं और बताते हैं कि पिताजी नहीं रहे, और राम नदी पर राजा को जल देते हैं। राम पिता का वचन नहीं तोड़ते, इसलिए भरत उनके नाम पर राज करने के लिए भाई की पादुकाएँ ले जाते हैं।

At Chitrakuta an army's dust rises, and Lakshmana, seeing Ayodhya's banner, takes Bharata for an enemy; Rama calms him. Bharata comes on foot, falls at Rama's feet and tells him their father is dead, and Rama offers water to the king at the river. Rama will not break his father's word, so Bharata takes his brother's sandals to rule in his name.

१



PART 1 · भाग 1

The Kovidara banner

Valmiki 2.94.1–2.97.31 (CrEd 2.88.1–2.91.17)

VALMIKI

THE LEELA

॥ 2.94.1–2 ॥
CrEd 2.88.1–2

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.94.3 ॥
CrEd 2.88.3

राम R A M A

वाल्मीकि न राज्याद् भ्रंशानं भद्रे न सुहृद्भिर् विनाभवः ।
मनो मे बाधते दृष्ट्वा रमणीयम् इमं गिरिम् ॥

TRANSLATION *Not the loss of the kingdom, good lady,
nor being parted from my friends
troubles my mind, as I look
upon this lovely mountain.*

लीला भद्रे, इस रमणीय पर्वत को देखकर न राज्य छिनने
का दुःख मेरे मन को सताता है, न सुहृदों से
बिछड़ने का।

SUBTITLE Gentle one, looking at this lovely hill,
neither the lost kingdom
nor the friends I left
trouble my mind.

॥ 2.94.15 ॥
CrEd 2.88.15

राम R A M A

वाल्मीकि यदीह शरदोऽनेकास् त्वया सार्धम् अनिन्दिते ।
लक्ष्मणेन च वत्स्यामि न मां शोकः प्रधक्ष्यति ॥

TRANSLATION *If I live here many autumns
with you, lady without blame,
and with Lakshmana,
grief will not burn me.*

लीला अनिन्दिते, यदि तुम्हारे और लक्ष्मण के साथ मैं यहाँ
अनेक शरद ऋतुएँ बिताऊँ, तो शोक मुझे कभी
नहीं जलाएगा।

SUBTITLE If I live here many autumns
with you, faultless one,
and with Lakshmana,
grief will never burn me.

॥ 2.94.17 ॥
CrEd 2.88.17

राम R A M A

वाल्मीकि अनेन वनवासेन मया प्राप्तं फलद्वयम् ।
पितुश् चानृणता धर्मे भरतस्य प्रियं तथा ॥

TRANSLATION *By this dwelling in the forest
I have gained two fruits:
freedom from debt to my father in dharma,
and what is dear to Bharata.*

लीला इस वनवास से मुझे दो फल मिले हैं, पिता
धर्म के ऋण से मुक्त हुए, और भरत को उसका
प्रिय मिला।

SUBTITLE This forest life has given me two fruits:
my father is free of his debt to dharma,
and Bharata has his joy.

॥ 2.96.3-5 ॥
CrEd 2.90.1-3

SILENT MOMENT मौन क्षण

राम R A M A

वाल्मीकि हन्त लक्ष्मण पश्येह सुमित्रा सुप्रजास् त्वया ।
भीमस्तनितगम्भीरस् तुमुलः श्रूयते स्वनः ।
राजा वा राजमात्रो वा मृगयाम् अटते वने ।
अन्यद् वा श्वापदं किं चित् सौमित्रे ज्ञातुम् अर्हसि ।
सर्वम् एतद् यथातत्त्वम् अचिराज् ज्ञातुम् अर्हसि ॥

TRANSLATION *Come, Lakshmana, look here,
you through whom Sumitra is blessed in her son:
a tumultuous sound is heard,
deep as fearful thunder.
Is it a king, or a king's man,
roaming the forest on a hunt,
or some other beast of prey?
Saumitri, you should find out.
All this, just as it is,
you should find out without delay.*

लीला लक्ष्मण, सुनो! मेघ-गर्जन-सा गम्भीर, भयंकर
कोलाहल। क्या कोई राजा या राजकुमार वन
में आखेट कर रहा है, या कोई वन्य पशु है?
पता लगाओ।

SUBTITLE Lakshmana, listen!
A roar, deep as thunder.
A king out hunting,
or some wild beast? Find out.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (2.90.5-6) में है; दृश्य की पंक्ति सुमित्रा की प्रशंसा और अंतिम आधा श्लोक छोड़ देती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (2.90.5-6); the scene's line leaves out the praise of Sumitra and the last half-verse.

॥ 2.96.14 ॥
CrEd 2.90.10

लक्ष्मण LAKSHMANA

वाल्मीकि अग्निं संशमयत् आर्यः सीता च भजतां गुहाम् ।
सज्यं कुरुष्व चापं च शरांश् च कवचं तथा ॥

TRANSLATION *Let my noble brother put out the fire,
and let Sita go into the cave;
string your bow,
and make ready your arrows and your armour.*

लीला आर्य, अग्नि बुझा दीजिए! सीता गुफा में छिप
जाएँ। धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाइए, बाण और कवच
धारण कीजिए!

SUBTITLE Put out the fire, noble one!
Let Sita shelter in the cave.
String your bow,
take up arrows and armour!

॥ 2.96.15 ॥
CrEd 2.90.11

राम RAMA

वाल्मीकि अङ्गावेक्षस्व सौमित्रे कस्यैतां मन्यसे चमूम् ॥

TRANSLATION *Look, Saumitri,
whose army do you take this to be?*

लीला सौमित्र, ध्यान से देखो। तुम्हारे विचार में यह
किसकी सेना है?

SUBTITLE Look closely, Saumitri.
Whose army do you think it is?

॥ 2.96.17 ॥
CrEd 2.90.13

लक्ष्मण LAKSHMANA

वाल्मीकि संपन्नं राज्यम् इच्छंस् तु व्यक्तं प्राप्याभिषेचनम् ।
आवां हन्तुं समभ्येति कैकेय्या भरतः सुतः ॥

TRANSLATION *Plainly, having gained the consecration,
and wanting the kingdom secure,
Kaikeyi's son Bharata
comes to kill the two of us.*

लीला यह कैकेयी का पुत्र भरत है! अभिषेक पाकर अब
वह निष्कण्टक राज्य चाहता है। हम दोनों को मारने
आ रहा है।

SUBTITLE It is Bharata, Kaikeyi's son!
Crowned, he wants the kingdom whole.
He is coming to kill us both.

॥ 2.96.18 ॥
CrEd 2.90.14

लक्ष्मण LAKSHMANA

वाल्मीकि एष वै सुमहाञ् श्रीमान् विटपी संप्रकाशते ।
विराजत्य् उद्गतस्कन्धः कोविदार ध्वजो रथे ॥

TRANSLATION *There, shining out, is a tree
very great and splendid, full of branches,
its trunk rising high: it gleams,
the Kovidara banner on the chariot.*

लीला वह देखिए, उसके रथ की ध्वजा पर ऊँचे तने वाला
विशाल कोविदार वृक्ष चमक रहा है।

SUBTITLE There it is:
the great Kovidara tree,
blazing high on the banner
of his chariot.

लक्ष्मण LAKSHMANA

वाल्मीकि यन्निमित्तं भवान् राज्याच् च्युतो राघव शाश्वतीम् ।
संप्राप्तोऽयम् अरिर् वीर भरतो वध्य एव मे ।
भरतस्य वधे दोषं नाहं पश्यामि राघव ॥

TRANSLATION *The one for whose sake you, Raghava,
were cast out of your lasting kingdom,
that enemy, Bharata, has come, hero:
he must die at my hands.
I see no wrong, Raghava,
in killing Bharata.*

लीला राघव, जिसके कारण आप अपने सनातन राज्य
से वंचित हुए, वही शत्रु आ पहुँचा है। भरत मेरे
हाथों अवश्य मरेगा। उसके वध में मुझे कोई दोष
नहीं दिखता।

SUBTITLE The enemy who cost you your kingdom
is here, Raghava.
Bharata must die at my hands.
I see no wrong in it.

CrEd आगे कहता है: “जिन्होंने पहले अपकार किया, उन्हें त्यागने में कोई अधर्म नहीं” (2.90.19cd); प्रचलित पाठ इसे 2.96.24 में दोहराता है।

The CrEd goes on: “there is no wrong in casting off those who did harm first” (2.90.19cd); the popular text repeats it in 2.96.24.

॥ 2.96.25 ॥
CrEd 2.90.20

लक्ष्मण LAKSHMANA

वाल्मीकि अद्य पुत्रं हतं संख्ये कैकेयी राज्यकामुका ।
मया पश्येत् सुदुःखार्ता हस्तिभग्नम् इव द्रुमम् ॥

TRANSLATION *Today let Kaikeyi, greedy for the kingdom,
see her son slain by me in battle,
stricken with bitter grief,
like a tree broken by an elephant.*

लीला आज राज्य की लोभी कैकेयी देखे कि उसका पुत्र
युद्ध में मेरे हाथों वैसे ही गिरा पड़ा है, जैसे हाथी का
तोड़ा हुआ पेड़।

SUBTITLE Today let Kaikeyi, greedy for the kingdom,
see her son felled by me in battle,
like a tree an elephant has broken.

॥ 2.97.1 ॥
CrEd 2.91.1

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.97.2, 13 ॥

CrEd 2.91.2-3

2.97.3-12:
popular text
only · not in
the CrEd

राम R A M A

वाल्मीकि किम् अत्र धनुषा कार्यम् असिना वा सचर्मणा ।
महेष्वासे महाप्राज्ञे भरते स्वयम् आगते ।
प्राप्तकालं यद् एषोऽस्मान् भरतो द्रष्टुम् इच्छति ।
अस्मासु मनसाप्य् एष नाहितं किं चिद् आचरेत् ॥

TRANSLATION *What use is a bow here,
or a sword with a shield,
when Bharata himself has come,
a great archer, of great wisdom?
It is fitting that Bharata
wishes to see us;
he would do nothing to harm us,
not even in his mind.*

लीला जब स्वयं भरत आया है, तब धनुष या तलवार का
क्या काम? वह हमें देखना चाहता है। वह मन से
भी हमारा अहित नहीं करेगा।

SUBTITLE What need of bow or sword,
when Bharata himself has come?
He wants to see us.
He would not harm us even in thought.

इन श्लोकों के बीच प्रचलित पाठ में 2.97.3-12 भी हैं, जो CrEd में नहीं हैं और हमारी पंक्ति में छोड़ दिए गए हैं। CrEd में यह अंश 2.91.2-3 है।

Between these verses the popular text has 2.97.3-12, not in the CrEd and left out of our line.
The CrEd has the passage as 2.91.2-3.

॥ 2.97.14 ॥
CrEd 2.91.4

राम R A M A

वाल्मीकि विप्रियं कृतपूर्वं ते भरतेन कदा न किम् ।
ईदृशं वा भयं तेऽद्य भरतं योऽत्र शङ्कसे ॥

TRANSLATION *When has Bharata ever done you
any wrong, or what wrong,
that today you feel such fear,
and suspect Bharata here?*

लीला भरत ने कभी तुम्हारा कोई अप्रिय किया है, जो
आज तुम उससे ऐसे डरते हो और उस पर संदेह
करते हो?

SUBTITLE When did Bharata ever wrong you,
that you fear him so today,
and suspect him?

॥ 2.97.17-18 ॥
CrEd 2.91.7-8

राम R A M A

वाल्मीकि यदि राज्यस्य हेतोस् त्वम् इमां वाचं प्रभाषसे ।
वक्ष्यामि भरतं दृष्ट्वा राज्यम् अस्मै प्रदीयताम् ।
उच्यमानो हि भरतो मया लक्ष्मण तत्त्वतः ।
राज्यम् अस्मै प्रयच्छेति बाढम् इत्य् एव वक्ष्यति ॥

TRANSLATION *If you speak these words
for the sake of the kingdom,
when I see Bharata I will say,
“Let the kingdom be given to him.”
For when I tell Bharata truly,
Lakshmana, “Give the kingdom to him,”
he will say only,
“Surely.”*

लीला यदि तुम राज्य के लिए ऐसा कह रहे हो, तो भरत
को देखते ही मैं कहूँगा, ‘यह राज्य इसे दे दो।’ और
वह कहेगा, ‘अवश्य।’

SUBTITLE If you say this for the kingdom,
I will tell Bharata, 'Give it to him.'
And he will say, 'Gladly.'

॥ 2.97.19 ॥
CrEd 2.91.9

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.97.21-23 ॥
CrEd 2.91.10-11

2.97.20:
popular text
only · not in
the CrEd

राम R A M A

वाल्मीकि एष मन्ये महाबाहुर् इहास्मान् द्रष्टुम् आगतः ।
वनवासम् अनुध्याय गृहाय प्रतिनेष्यति ।
इमां वाप्य् एष वैदेहीम् अत्यन्तसुखसेविनीम् ॥

TRANSLATION *I think the mighty-armed one
has come here to see us.
Thinking of our dwelling in the forest,
he will lead us back home;
or at least this Vaidehi,
who has known only great comfort.*

लीला मुझे लगता है, महाबाहु भरत हमें देखने आया है,
हमें घर लौटा ले जाने। या कम से कम सुख में पली
इस वैदेही को।

SUBTITLE I think he has come to see us,
to take us home,
or at least Vaidehi,
who has known only comfort.

इससे पहले प्रचलित पाठ में लज्जित लक्ष्मण कहते हैं, “मुझे लगता है, पिताजी स्वयं हमें देखने आए हैं” (2.97.20); यह CrEd में नहीं है और हमारी पंक्ति में छोड़ दिया गया है।

Before this, the popular text gives the ashamed Lakshmana's words, “I think our father himself has come to see us” (2.97.20), not in the CrEd and left out of our line.

॥ 2.97.25 ॥
CrEd 2.91.13

राम R A M A

वाल्मीकि स एष सुमहाकायः कम्पते वाहिनीमुखे ।
नागः शत्रुंजयो नाम वृद्धस् तातस्य धीमतः ॥

TRANSLATION *There, swaying at the head of the army,
is that huge elephant,
the one called Shatrunjaya,
the old elephant of our wise father.*

लीला और वह देखो, सेना के आगे झूमता हुआ शत्रुंजय,
हमारे बुद्धिमान पिता का बूढ़ा हाथी।

SUBTITLE And there at the head of the army
sways Shatrunjaya,
our wise father's
old elephant.

॥ 2.97.26 ॥

popular text
only · not in
the CrEd

राम R A M A

वाल्मीकि न तु पश्यामि तच् छत्रं पाण्डरं लोकसत्कृतम् ।
पितुर् दिव्यं महाबाहो संशयो भवतीह मे ॥

TRANSLATION *But I do not see that umbrella,
white, honoured by the world,
our father's divine one, mighty-armed;
a doubt rises in me here.*

लीला पर पिताजी का वह दिव्य श्वेत छत्र, जिसका सारा
संसार आदर करता है, मुझे नहीं दिखता।
महाबाहो, मेरे मन में संशय उठ रहा है।

SUBTITLE But I do not see our father's
white umbrella,
honoured by all the world.
A doubt rises in me.

॥ 2.97.27-31 ॥
CrEd 2.91.14-17

SILENT MOMENT मौन क्षण



Water for the father

Valmiki 2.98.1–2.103.36 (CrEd 2.92.1–2.95.36)

VALMIKI

THE LEELA

॥ 2.98.8–9 ॥
CrEd 2.92.6–7

भरत BHARATA

वाल्मीकि यावन् न चरणौ भ्रातुः पार्थिव व्यञ्जनान्वितौ ।
शिरसा धारयिष्यामि न मे शान्तिर् भविष्यति ।
यावन् न राज्ये राज्यार्हः पितृपैतामहे स्थितः ।
अभिषेकजलक्लिन्नो न मे शान्तिर् भविष्यति ॥

TRANSLATION *Until I bear on my head
my brother's feet,
marked with the signs of a king,
I shall have no peace.
Until he who is worthy of the kingdom
is set in the kingdom of our fathers,
wet with the waters of consecration,
I shall have no peace.*

लीला जब तक मैं भाई के राजचिह्नों से अंकित चरण अपने
सिर पर धारण न करूँ, जब तक वे अभिषेक-जल से
भीगे, पितृ-पितामहों के राज्य पर न बैठें, तब तक
मुझे शान्ति नहीं मिलेगी।

SUBTITLE Until I bear my brother's feet on my head,
until he sits, anointed,
on our fathers' throne,
I will have no peace.

॥ 2.99.12-13 ॥
CrEd 2.93.11-12

भरत BHARATA

वाल्मीकि यम् एवाधातुम् इच्छन्ति तापसाः सततं वने ।
तस्यासौ दृश्यते धूमः संकुलः कृष्टवर्त्मनः ।
अत्राहं पुरुषव्याघ्रं गुरुसत्कारकारिणम् ।
आर्यं द्रक्ष्यामि संहृष्टो महर्षिम् इव राघवम् ॥

TRANSLATION *That smoke is seen, thick and dense,
of the fire the ascetics
always wish to keep in the forest,
the fire whose path is black.
Here I shall see, rejoicing,
that tiger among men,
who honours his elders, my noble brother,
Raghava, like a great sage.*

लीला वह धुआँ उसी अग्नि का है जिसे तपस्वी सदा जलाए
रखते हैं। यहीं मैं अपने आर्य भाई को देखूँगा, महर्षि
के समान।

SUBTITLE That smoke is the fire
that ascetics always keep.
Here I will see my noble brother,
like a great sage.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (2.93.11-12) में है; दृश्य की पंक्ति कुछ शब्द छोड़ देती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (2.93.11-12); the scene's line leaves out a few words.

॥ 2.99.25-30 ॥
CrEd 2.93.24-29

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.99.31 ॥
CrEd 2.93.30

भरत BHARATA

वाल्मीकि यः संसदि प्रकृतिभिर् भवेद् युक्त उपासितुम् ।
वन्धैर् मृगैर् उपासीनः सोऽयम् आस्ते ममाग्रजः ॥

TRANSLATION *He who should be attended in the assembly
by his subjects,
sits attended by the wild beasts
of the forest: my elder brother.*

लीला जिन्हें सभा में प्रजाजनों से घिरे बैठना चाहिए
था, वही मेरे बड़े भाई यहाँ वन के पशुओं से घिरे
बैठे हैं।

SUBTITLE He should sit in the assembly
with his people round him.
My elder brother sits here
with wild beasts round him.

॥ 2.99.36 ॥
CrEd 2.93.35

भरत BHARATA

वाल्मीकि मन्निमित्तम् इदं दुःखं प्राप्तो रामः सुखोचितः ।
धिग् जीवितं नृशंसस्य मम लोकविगर्हितम् ॥

TRANSLATION *For my sake Rama, who was used to comfort,
has met this sorrow.
Shame on my life, cruel as I am,
condemned by all the world.*

लीला सुख के योग्य राम मेरे ही कारण इस दुःख में पड़े
हैं। धिक्कार है मुझ क्रूर के इस लोकनिन्दित
जीवन को!

SUBTITLE Rama, born to comfort,
has come to this sorrow because of me.
Shame on my cruel life,
which the world despises!

॥ 2.99.37 ॥
CrEd 2.93.36

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.99.38–39 ॥
CrEd 2.93.37–38

भरत BHARATA

वाल्मीकि दुःखाभितप्तो भरतो राजपुत्रो महाबलः ।
उत्तवार्येति सकृद् दीनं पुनर् नोवाच किं चन ।
बाष्पापिहितकण्ठश् च प्रेक्ष्य रामं यशस्विनम् ।
आर्येत् एवाभिसंक्रुश्य व्याहर्तुं नाशकत् ततः ॥

TRANSLATION *Burning with grief, Bharata,
the prince of great strength,
said “Noble brother!” once, piteously,
and said nothing more.
His throat choked with tears,
seeing glorious Rama,
he cried out only, “Noble brother!”
and could say no more.*

लीला आर्य!

SUBTITLE Brother...

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (2.93.37–38) में है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (2.93.37–38).

॥ 2.99.40–
2.100.3 ॥
CrEd 2.93.39–2.94.1

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.100.5 ॥
CrEd 2.94.3

राम R A M A

वाल्मीकि चिरस्य बत पश्यामि दूराद् भरतम् आगतम् ।
दुष्प्रतीकम् अरण्येऽस्मिन् किं तात वनम् आगतः ॥

TRANSLATION *After so long, alas, I see
Bharata come from afar,
hardly to be known, in this wilderness:
why have you come to the forest, dear one?*

लीला बहुत दिनों बाद तुम्हें देख रहा हूँ, भरत, इतनी दूर
से आए, ऐसे दुर्बल कि पहचान में नहीं आते। तात,
तुम वन में क्यों आए?

SUBTITLE At last I see you, Bharata, come so far,
so worn I hardly knew you.
Why have you come to the forest, dear one?

॥ 2.100.4, 8 ॥

CrEd 2.94.2, 4

condensed
from 2.100.4, 8

राम R A M A

वाल्मीकि क्व नु तेऽभूत् पिता तात यद् अरण्यं त्वम् आगतः ।
न हि त्वं जीवतस् तस्य वनम् आगन्तुम् अर्हसि ।
कच्चिद् दशरथो राजा कुशली सत्यसंगरः ।
राजसूयाश्वमेधानाम् आहर्ता धर्मनिश्चयः ॥

TRANSLATION *Where was your father, dear one,
that you have come to the forest?
While he lives, you should not
be coming to the forest.
Is King Dasharatha well,
true to his word,
who performed the Rajasuya and the
horse sacrifices,
firm in dharma?*

लीला पिताजी कहाँ हैं? उनके जीते जी तुम्हें वन में नहीं
आना चाहिए था। सत्यप्रतिज्ञ महाराज दशरथ
कुशल से तो हैं?

SUBTITLE Where is father?
While he lives,
you should not be in the forest.
Is King Dasharatha well, true to his word?

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (2.94.2 और 4) में है; दृश्य की पंक्ति दोनों श्लोकों को जोड़ती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (2.94.2 and 4); the scene's line joins the two verses.

भरत BHARATA

वाल्मीकि किं मे धर्माद् विहीनस्य राजधर्मः करिष्यति ।
शाश्वतोऽयं सदा धर्मः स्थितोऽस्मासु नरर्षभ ।
ज्येष्ठपुत्रे स्थिते राजन् न कनीयान् भवेन् नृपः ॥

TRANSLATION *What will the dharma of kings do for me,
who am fallen from dharma?
This eternal dharma, bull among men,
has always held among us:
while the eldest son stands, O king,
the younger may not be king.*

लीला मुझ धर्मभ्रष्ट के लिए राजधर्म किस काम का?
हमारे कुल में यह सनातन धर्म सदा से है, ज्येष्ठ पुत्र
के रहते छोटा राजा नहीं हो सकता।

SUBTITLE What is a king's dharma to me,
who have lost dharma?
While the eldest lives,
the younger cannot be king.

॥ 2.102.5, 7 ॥

CrEd 2.95.5–6

2.102.6:
popular text
only · not in
the CrEd

भरत BHARATA

वाल्मीकि केकयस्थे च मयि तु त्वयि चारण्यम् आश्रिते ।
दिवम् आर्य गतो राजा यायजूकः सतां मतः ।
उत्तिष्ठ पुरुषव्याघ्र क्रियताम् उदकं पितुः ॥

TRANSLATION *While I was in Kekaya,
and you had gone to the forest,
the king, noble brother, went to heaven,
a great sacrificer, honoured by the good.
Rise, tiger among men;
let the water rite be done for our father.*

लीला आर्य, जब मैं केकय देश में था और आप वन में,
तब महाराज स्वर्ग सिधार गए। उठिए, पुरुषसिंह,
पिताजी को जलांजलि दीजिए।

SUBTITLE While I was in Kekaya,
and you in the forest, brother,
the king went to heaven.
Rise, and give our father water.

प्रचलित पाठ 2.102.6 और 9 में जोड़ता है कि राम के जाते ही राजा उन्हें पुकारते हुए उनके शोक में चल बसे; दोनों CrEd में नहीं हैं, और हमारी पंक्ति में छोड़ दिए गए हैं।

The popular text adds, in 2.102.6 and 9, that the king died of grief for Rama as soon as he left, calling for him; neither is in the CrEd, and both are left out of our line.

॥ 2.103.1–6 ॥

CrEd 2.95.8–12

SILENT MOMENT मौन क्षण

राम R A M A

वाल्मीकि किं नु तस्य मया कार्यं दुर्जतिन महात्मना ।
यो मृतो मम शोकेन न मया चापि संस्कृतः ॥

TRANSLATION *What am I to do for him now,
I, ill-born, for that great-souled one,
who died of grief for me,
and was not given his last rites by me?*

लीला मुझ अभागे पुत्र से उन महात्मा का क्या भला
हुआ? वे मेरे शोक में मरे, और मैं उनका दाह-
संस्कार भी न कर सका।

SUBTITLE What good was I to him, a worthless son?
He died of grief for me,
and I could not even
perform his last rites.

राम R A M A

वाल्मीकि निष्प्रधानाम् अनेकाग्रं नरेन्द्रेण विनाकृताम् ।
निवृत्तवनवासोऽपि नायोध्यां गन्तुम् उत्सहे ।
समाप्तवनवासं माम् अयोध्यायां परंतप ।
को नु शासिष्यति पुनस् ताते लोकान्तरं गते ॥

TRANSLATION *Without its head, its mind divided,
bereft of its lord of men:
even when my forest years are done,
I cannot bring myself to go to Ayodhya.
When my dwelling in the forest is over,
scorcher of foes, who in Ayodhya
will guide me again,
now my father has gone to the other world?*

लीला वनवास पूरा होने पर भी मैं राजा से सूनी, बिखरी
अयोध्या में जाने का साहस न कर सकूँगा। पिताजी
के परलोक चले जाने पर अब वहाँ मुझे कौन
राह दिखाएगा?

SUBTITLE Even when the exile ends,
how can I go to Ayodhya,
leaderless without its king?
With father gone, who will guide me?

॥ 2.103.13 ॥
CrEd 2.95.17

राम R A M A

वाल्मीकि पुरा प्रेक्ष्य सुवृत्तं मां पिता यान् आह सान्त्वयन् ।
वाक्यानि तानि श्रोष्यामि कुतः कर्णसुखान् अहम् ॥

TRANSLATION *The words my father once spoke,
comforting me when he saw me act rightly,
words that were sweet to the ear:
where shall I hear them now?*

लीला जब मैं अच्छा आचरण करता, तो पिताजी स्नेह से
जो वचन कहते थे, कानों को सुख देने वाले वे वचन
अब मैं कहाँ सुनूँगा?

SUBTITLE When I did well,
my father spoke to me so kindly.
Where will I hear
those words again?

॥ 2.103.15 ॥
CrEd 2.95.19

राम R A M A

वाल्मीकि सीते मृतस् ते श्वशुरः पित्रा हीनोऽसि लक्ष्मण ।
भरतो दुःखम् आचष्टे स्वर्गतं पृथिवीपतिम् ॥

TRANSLATION *Sita, your father-in-law is dead;
Lakshmana, you are left without a father.
Bharata tells this sorrow:
the lord of the earth has gone to heaven.*

लीला सीते, तुम्हारे ससुर नहीं रहे। लक्ष्मण, तुम पितृहीन
हो गए। भरत यह दुःखद समाचार लाया है,
पृथ्वीपति स्वर्ग सिधार गए।

SUBTITLE Sita, your father-in-law is dead.
Lakshmana, you have no father.
Bharata brings the news:
the king has gone to heaven.

॥ 2.103.20–21 ॥
CrEd 2.95.21–22

राम R A M A

वाल्मीकि आनयेङ्गुदिपिण्याकं चीरम् आहर चोत्तरम् ।
जलक्रियार्थं तातस्य गमिष्यामि महात्मनः ।
सीता पुरस्ताद् व्रजतु त्वम् एनाम् अभितो व्रज ।
अहं पश्चाद् गमिष्यामि गतिर् ह्य एषा सुदारुणा ॥

TRANSLATION *Bring the paste of ingudi fruit,
and fetch an upper garment of bark;
I will go to make the water offering
for my great-souled father.
Let Sita walk in front,
and you walk beside her;
I will go behind:
for this is a most cruel journey.*

लीला इंगुदी की खली और छाल का उत्तरीय ले आओ,
पिताजी की जलक्रिया के लिए। आगे सीता चलें,
फिर तुम, और सबसे पीछे मैं, यह बड़ी दारुण
यात्रा है।

SUBTITLE Bring ingudi pulp and a bark cloth
for father's water rites.
Sita first, then you, and I last:
a terrible road.

॥ 2.103.26 ॥
CrEd 2.95.27

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.103.27 ॥
CrEd 2.95.28

राम R A M A

वाल्मीकि एतत् ते राजशार्दूल विमलं तोयम् अक्षयम् ।
पितृलोकगतस्याद्य मद्दत्तम् उपतिष्ठतु ॥

TRANSLATION *Tiger among kings, this water,
pure and unfailing, given by me,
may it reach you today,
gone to the world of the fathers.*

लीला राजसिंह, मेरा दिया यह निर्मल, अक्षय जल आज
पितृलोक में आप तक पहुँचे।

SUBTITLE Tiger among kings,
may this pure, unfailing water I give
reach you today
in the world of the fathers.

॥ 2.103.30 ॥
CrEd 2.95.31

राम R A M A

वाल्मीकि इदं भुङ्क्ष्व महाराज प्रीतो यद् अशना वयम् ।
यदन्नः पुरुषो भवति तदन्नास् तस्य देवताः ॥

TRANSLATION *Eat this, great king, gladly,
this food that we eat;
for the food a man lives on
is the food of his gods.*

लीला महाराज, प्रसन्न होकर इसे ग्रहण कीजिए। यही
हमारा आहार है। मनुष्य जो खाता है, वही उसके
देवता भी खाते हैं।

SUBTITLE Eat this, great king, gladly:
it is what we eat now.
What a man eats,
his gods eat too.

॥ 2.103.31–36 ॥
CrEd 2.95.32–36

SILENT MOMENT मौन क्षण



The sandals

Valmiki 2.105.1–2.113.1 (CrEd 2.98.1–2.105.1)

VALMIKI

THE LEELA

॥ 2.105.1–3 ॥
CrEd 2.98.1–3

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.105.4 ॥
CrEd 2.98.4

भरत BHARATA

वाल्मीकि सान्त्विता मामिका माता दत्तं राज्यम् इदं मम ।
तद् ददामि तवैवाहं भुङ्क्व राज्यम् अकण्टकम् ॥

TRANSLATION *My mother has been comforted;
this kingdom has been given to me.
I give it to you alone:
enjoy the kingdom, free of thorns.*

लीला मेरी माता संतुष्ट की गई, और यह राज्य मुझे दिया
गया। वही राज्य मैं आपको सौंपता हूँ। इसे
निष्कण्टक भोगिए।

SUBTITLE My mother is satisfied;
the kingdom was given to me.
Now I give it to you.
Rule it, free of every thorn.

॥ 2.105.16 ॥
CrEd 2.98.16

राम R A M A

वाल्मीकि सर्वे क्षयान्ता निचयाः पतनान्ताः समुच्छ्रयाः ।
संयोगा विप्रयोगान्ता मरणान्तं च जीवितम् ॥

TRANSLATION *All boards end in loss,
all that rises ends in falling,
all meetings end in parting,
and life ends in death.*

लीला संचय का अन्त क्षय है, उत्थान का अन्त पतन,
संयोग का अन्त वियोग, और जीवन का अन्त मृत्यु।

SUBTITLE All that is gathered is spent;
all that rises falls.
Every meeting ends in parting,
and every life in death.

राम R A M A

वाल्मीकि स स्वस्थो भव मा शोचो यात्वा चावस तां पुरीम् ।
तथा पित्रा नियुक्तोऽसि वशिना वदतां वर ।
यत्राहम् अपि तेनैव नियुक्तः पुण्यकर्मणा ।
तत्रैवाहं करिष्यामि पितुर् आर्यस्य शासनम् ॥

TRANSLATION *Be at ease, do not grieve;
go and dwell in that city.
So were you charged by our father,
self-controlled, best of speakers.
And where I was charged
by that same doer of holy deeds,
there I will carry out
the command of our noble father.*

लीला धीरज धरो, शोक मत करो। जाओ, उस नगरी में
रहो, जैसी पिताजी ने तुम्हें आज्ञा दी है। जहाँ उन्होंने
मुझे भेजा, वहीं मैं उनकी आज्ञा पूरी करूँगा।

SUBTITLE Do not grieve; go back to the city,
as father bade you.
Where he sent me,
there I will do his bidding.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (2.98.37-38) में है; ई-पाठ का “वदताम् वर” यहाँ “वदतां वर” पढ़ा गया है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (2.98.37-38); the e-text's vadatāmv vara is read vadatām vara.

॥ 2.106.18 ॥
CrEd 2.98.56

भरत BHARATA

वाल्मीकि क्व चारण्यं क्व च क्षात्रं क्व जटाः क्व च पालनम् ।
ईदृशं व्याहतं कर्म न भवान् कर्तुम् अर्हति ॥

TRANSLATION *What has the forest to do with a kshatriya's duty,
or matted locks with guarding the realm?
A deed so self-contradicting
you should not do.*

लीला कहाँ वन और कहाँ क्षत्रिय-धर्म! कहाँ जटाएँ और
कहाँ प्रजापालन! ऐसा परस्पर-विरोधी कर्म आपको
शोभा नहीं देता।

SUBTITLE The forest, and a warrior's duty?
Matted hair, and the care of a people?
They do not go together.
This is not for you.

॥ 2.111.4 ॥
CrEd 2.103.4

वसिष्ठ VASISHTHA

वाल्मीकि स तेऽहं पितुर् आचार्यस् तव चैव परंतप ।
मम त्वं वचनं कुर्वन् नातिवर्तेः सतां गतिम् ॥

TRANSLATION *I am your father's teacher,
and yours too, scorcher of foes;
if you do as I say,
you will not stray from the path of the good.*

लीला मैं तुम्हारे पिता का आचार्य था, और तुम्हारा भी
हूँ। मेरा कहा मानोगे, तो सज्जनों के मार्ग से
नहीं हटोगे।

SUBTITLE I was your father's teacher,
and I am yours.
Do as I say, and you will not stray
from the way of the good.

॥ 2.111.11 ॥
CrEd 2.103.11

राम R A M A

वाल्मीकि स हि राजा जनयिता पिता दशरथो मम ।
आज्ञातं यन् मया तस्य न तन् मिथ्या भविष्यति ॥

TRANSLATION *For King Dasharatha, my begetter,
is my father;
what he has commanded me
shall not be made false.*

लीला राजा दशरथ मेरे जन्मदाता पिता थे। उन्हें जो वचन
मैंने दिया, वह कभी मिथ्या नहीं होगा।

SUBTITLE King Dasharatha gave me life;
he was my father.
What I promised him
will never be made false.

॥ 2.111.13-14 ॥
CrEd 2.103.13-14

भरत BHARATA

वाल्मीकि इह मे स्थण्डिले शीघ्रं कुशान् आस्तर सारथे ।
आर्यं प्रत्युपवेक्ष्यामि यावन् मे न प्रसीदति ।
अनाहारो निरालोको धनहीनो यथा द्विजः ।
शेष्ये पुरस्ताच् छालाया यावन् न प्रतियास्यति ॥

TRANSLATION *Here on this bare ground, charioteer,
quickly spread kusha grass for me;
I will sit against my noble brother
until he shows me grace.
Without food, without light,
like a brahmin robbed of his wealth,
I will lie before the hut
until he turns back.*

लीला सारथि, शीघ्र यहाँ भूमि पर कुश बिछा दो। जब तक
आर्य प्रसन्न न हों, मैं निराहार, अँधेरे में, इस कुटी के
सामने लेटा रहूँगा।

SUBTITLE Charioteer, spread kusha here, quickly.
I will lie before his hut,
without food or light,
until my brother relents.

॥ 2.111.15 ॥
CrEd 2.103.15

SILENT MOMENT मौन क्षण

राम R A M A

वाल्मीकि किं मां भरत कुर्वाणं तात प्रत्युपवेक्ष्यसि ।
ब्राह्मणो ह्य् एकपार्श्वेन नरान् रोद्धुम् इहार्हति ।
न तु मूर्धावसिक्तानां विधिः प्रत्युपवेशने ।
उत्तिष्ठ नरशार्दूल हित्वैतद् दारुणं व्रतम् ॥

TRANSLATION *What have I done, Bharata, dear one,
that you would sit against me?
A brahmin may lie on one side
and hold men back by this;
but for those anointed as kings
there is no rule of sitting against another.
Rise, tiger among men,
and give up this harsh vow.*

लीला भरत, मैंने क्या किया है कि तुम मेरे विरुद्ध अनशन
करते हो? यह ब्राह्मण की रीति है, अभिषिक्त
क्षत्रिय की नहीं। उठो, यह कठोर व्रत छोड़ो।

SUBTITLE What have I done, Bharata,
that you fast against me?
That is a brahmin's way, not a king's.
Rise; give up this harsh vow.

॥ 2.111.19 ॥
CrEd 2.103.19

भरत BHARATA

वाल्मीकि आसीनस् त्व् एव भरतः पौरजानपदं जनम् ।
उवाच सर्वतः प्रेक्ष्य किम् आर्यं नानुशासथ ॥

TRANSLATION *But Bharata, still seated,
looked all around
and said to the people of town and country:
“Why do you not counsel my noble brother?”*

लीला आप सब आर्य को समझाते क्यों नहीं?

SUBTITLE Why do none of you
speak to my brother?

॥ 2.111.20–21 ॥
CrEd 2.103.20–21

नगरवासी CITIZENS

वाल्मीकि काकुत्स्थम् अभिजानीमः सम्यग् वदति राघवः ।
एषोऽपि हि महाभागः पितुर् वचसि तिष्ठति ।
अत एव न शक्ताः स्मो व्यावर्तयितुम् अञ्जसा ॥

TRANSLATION *We know Kakutstha:
Raghava speaks rightly.
And this most fortunate one, too,
stands by his father’s word;
for that very reason we cannot
easily turn him back.*

लीला हम काकुत्स्थ को जानते हैं। राघव ठीक कहते हैं। वे
पिता के वचन पर अडिग हैं, इसीलिए हम उन्हें
लौटा नहीं सकते।

SUBTITLE We know Kakutstha:
Raghava speaks rightly.
He stands by his father’s word,
and so we cannot turn him back.

॥ 2.111.22-23 ॥
CrEd 2.103.22-23

राम R A M A

वाल्मीकि एवं निबोध वचनं सुहृदां धर्मचक्षुषाम् ।
एतच् चैवोभयं श्रुत्वा सम्यक् संपश्य राघव ।
उत्तिष्ठ त्वं महाबाहो मां च स्पृश तथोदकम् ॥

TRANSLATION *Hear, then, the words
of friends whose eye is dharma;
and having heard both sides,
see clearly, Raghava.
Rise, mighty-armed one,
and touch me, and water too.*

लीला धर्म की दृष्टि वाले इन सुहृदों की बात सुनो। दोनों
पक्ष तौलकर ठीक से विचारो, राघव। उठो,
महाबाहो, मुझे स्पर्श करो, और जल भी।

SUBTITLE Hear your friends; they see by dharma.
Weigh both sides well, Raghava.
Rise, strong-armed one;
touch me, and touch water.

॥ 2.111.24 ॥
CrEd 2.103.24

SILENT MOMENT मौन क्षण

भरत BHARATA

वाल्मीकि न याचे पितरं राज्यं नानुशासामि मातरम् ।
आर्यं परमधर्मज्ञम् अभिजानामि राघवम् ।
यदि त्व् अवश्यं वस्तव्यं कर्तव्यं च पितुर् वचः ।
अहम् एव निवत्स्यामि चतुर्दश वने समाः ॥

TRANSLATION *I do not ask my father for the kingdom,
nor do I counsel my mother;
I know Raghava, my noble brother,
to know dharma best of all.
But if one must surely dwell in the forest
and our father's word be done,
I myself will dwell
fourteen years in the forest.*

लीला मैंने पिताजी से राज्य कभी नहीं माँगा। यदि पिता के
वचन के लिए किसी को वन में रहना ही है, तो
चौदह वर्ष मैं रहूँगा।

SUBTITLE I never asked father for the kingdom.
If someone must live in the forest
for his word,
I will live there fourteen years.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (2.103.25-26) में है; दृश्य की पंक्ति आधा श्लोक छोड़ देती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (2.103.25-26); the scene's line leaves out a half-verse.

॥ 2.111.28 ॥
CrEd 2.103.28

राम R A M A

वाल्मीकि विक्रीतम् आहितं क्रीतं यत् पित्रा जीवता मम ।
न तल् लोपयितुं शक्यं मया वा भरतेन वा ॥

TRANSLATION *What my father, while he lived,
sold, pledged or bought,
cannot be undone,
by me or by Bharata.*

लीला मेरे पिता ने जीते जी जो बेचा, गिरवी रखा या
खरीदा, उसे न मैं मिटा सकता हूँ, न भरत।

SUBTITLE What my father sold, pledged or bought
while he lived
cannot be undone,
not by me and not by Bharata.

ऋषि SAGES

वाल्मीकि कुले जात महाप्राज्ञ महावृत्त महायशः ।
ग्राह्यं रामस्य वाक्यं ते पितरं यद्य् अवेक्षसे ।
सदानृणम् इमं रामं वयम् इच्छामहे पितुः ।
अनृणत्वाच् च कैकेय्याः स्वर्गं दशरथो गतः ॥

TRANSLATION *Born of a noble house, of great wisdom,
of great conduct, of great fame,
you must accept Rama's words,
if you have regard for your father.
We wish this Rama
to be ever free of debt to his father;
and freed of his debt to Kaikeyi,
Dasharatha has gone to heaven.*

लीला भरत, यदि तुम्हें पिता का ध्यान है, तो राम की बात
मानो। कैकेयी का ऋण चुकाकर ही दशरथ स्वर्ग
पहुँचे हैं।

SUBTITLE Bharata, if you care for your father,
accept Rama's word.
Free of his debt to Kaikeyi,
Dasharatha has reached heaven.

॥ 2.112.11-12 ॥
CrEd 2.104.11-12

भरत BHARATA

वाल्मीकि रक्षितुं सुमहद् राज्यम् अहम् एकस् तु नोत्सहे ।
पौरजानपदांश् चापि रक्तान् रञ्जयितुं तथा ।
ज्ञातयश् च हि योधाश् च मित्राणि सुहृदश् च नः ।
त्वाम् एव प्रतिकाङ्क्षन्ते पर्जन्यम् इव कर्षकाः ॥

TRANSLATION *I alone cannot bring myself
to guard so great a kingdom,
nor to keep content
the loyal people of town and country.
Our kinsmen and our warriors,
our allies and our friends,
look to you alone,
as farmers look to the rain cloud.*

लीला इतने बड़े राज्य की रक्षा मैं अकेला नहीं कर सकता।
हमारे बन्धु, योद्धा, मित्र और सुहृद आपकी वैसी ही
प्रतीक्षा करते हैं, जैसे किसान वर्षा की।

SUBTITLE I cannot guard this great kingdom alone.
Our kin and warriors, friends and allies
wait for you
as farmers wait for rain.

संस्कृत यहाँ पूरी दी गई है, जैसी CrEd (2.104.11-12) में है; दृश्य की पंक्ति आधा श्लोक छोड़ देती है।

The Sanskrit is given in full as the CrEd has it (2.104.11-12); the scene's line leaves out a half-verse.

॥ 2.112.14-15 ॥
CrEd 2.104.14-15

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.112.18 ॥
CrEd 2.104.18

राम R A M A

वाल्मीकि लक्ष्मीश् चन्द्राद् अपेयाद् वा हिमवान् वा हिमं त्यजेत् ।
अतीयात् सागरो वेलं न प्रतिज्ञाम् अहं पितुः ॥

TRANSLATION *Beauty may leave the moon,
or the Himalaya give up its snow,
the ocean may pass beyond its shore:
I will not pass beyond my father's promise.*

लीला चन्द्रमा की कान्ति चली जाए, हिमालय हिम छोड़
दे, सागर अपनी मर्यादा लाँघ जाए, पर मैं पिता की
प्रतिज्ञा नहीं तोड़ूँगा।

SUBTITLE The moon may lose its light,
the Himalaya its snow,
the ocean may cross its shore:
I will not break my father's promise.

॥ 2.112.21 ॥
CrEd 2.104.21

भरत B H A R A T A

वाल्मीकि अधिरोहार्य पादाभ्यां पादुके हेमभूषिते ।
एते हि सर्वलोकस्य योगक्षेमं विधास्यतः ॥

TRANSLATION *Noble brother, step with your feet
onto these sandals adorned with gold;
for they will secure
the welfare of the whole world.*

लीला तो आर्य, स्वर्ण से सजी इन पादुकाओं पर अपने
चरण रखिए। यही सारे लोक का कल्याण और
रक्षा करेंगी।

SUBTITLE Then, noble brother,
step onto these gold-adorned sandals.
They will keep
the whole world safe.

॥ 2.112.22 ॥
CrEd 2.104.22

SILENT MOMENT मौन क्षण

॥ 2.112.23-24 ॥

popular text
only · not in
the CrEd

भरत BHARATA

वाल्मीकि चतुर्दश हि वर्षाणि जटाचीरधरो ह्य् अहम् ।
फलमूलाशनो वीर भवेयं रघुनन्दन ।
तवागमनम् आकाङ्क्षन् वसन् वै नगराद् बहिः ।
तव पादुकयोर् न्यस्य राज्यतन्त्रं परंतप ॥

TRANSLATION *For fourteen years, hero,
joy of the Raghus,
I shall wear matted hair and bark,
and live on fruit and roots,
longing for your return,
dwelling outside the city,
placing the rule of the kingdom
on your sandals, scorcher of foes.*

लीला चौदह वर्ष मैं जटा और चीर धारण करूँगा, फल-
मूल खाकर नगर के बाहर रहूँगा, आपके लौटने
की प्रतीक्षा में। राज्य का भार आपकी पादुकाओं
पर रहेगा।

SUBTITLE Fourteen years I will wear bark and
matted hair,
and live outside the city, waiting for you.
Your sandals will hold the kingdom.

॥ 2.112.29,
2.113.1 ॥

CrEd 2.104.23,
2.105.1

॥ 2.112.30-31 ॥
CrEd 2.104.24-25

SILENT MOMENT मौन क्षण

SILENT MOMENT मौन क्षण

Read the full Valmiki Ramayana · पूरी वाल्मीकि रामायण पढ़ें

श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण (गीता प्रेस, भाग 1-2)

Shrimad Valmikiya Ramayan, Gita Press (Sanskrit with Hindi, Parts 1-2)

वाल्मीकि रामायण: बिबेक देब्रॉय का अंग्रेज़ी अनुवाद (3 खंड)

The Valmiki Ramayana, tr. Bibek Debroy (Penguin, 3 vols; translated from the Critical Edition)

आलोचनात्मक संस्करण (ओरिएंटल इंस्टीट्यूट, बड़ौदा): निःशुल्क पढ़ें

The Critical Edition (Oriental Institute, Baroda): read free

As an Amazon Associate we earn from qualifying purchases.

CREDITS · श्रेय

..❧ Translation: Raam Leela ❧..

The Sanskrit is the popular text of Valmiki's Ramayana, as each scene cites it, checked against the Critical Edition (CrEd, Baroda; GRETIL e-text). The Critical Edition is published by the Oriental Institute, Vadodara.

Verse numbers give the popular text first and the CrEd in brackets. Every translation here is written fresh from the Sanskrit for Raam Leela; none is copied from a published translation.

Voices are made with computer tools; the music comes from our own stage productions.

© 2026 Nolabel Immersive Experiences Pvt Ltd